RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

दैनिक क्रांति समय

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480

सूरत, वर्ष: 02 अंक: 255, मंगलवार, 22 अक्टुबर, 2019, पेज: 4, मुल्य 1 रु.

रजीस्ट्रड ऑफिसः- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात

Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आकाश से होगी पाक और चीन से लगी सीमाओं की रखवाली, रक्षा मंत्रालय की बैठक

नई दिल्ली(एजेंसी)।

भारतीय सेना पर्वतीय क्षेत्रों में पाकिस्तान और चीन की तरफ से हवाई घुसपैठ रोकने के लिए आकाश प्राइम मिसाइल तैनात करेगी। रक्षा मंत्रालय सेना के इस प्रस्ताव को मंजूरी देने जा रहा है। इन मिसाइलों को 15 हजार फुट की ऊंचाई वाले इलाकों पर तैनात किया जा सकता है। बता दें कि नई विकसित उन्नत आकाश मिसाइलों की मारक क्षमता इसकी पूर्ववर्ती मिसाइलों से काफी अधिक है और इहें पाकिस्तान और चीन से लगती सीमाओं पर लद्दाख के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में तैनात किया जाएगा। उच्च पदस्थ सूत्रों ने बताया कि रक्षा मंत्रालय को उन्नत आकाश एयर डिफेंस मिसाइलों की दो रेजिमेंटों के लिए लगभग 10,हजार करोड़ रुपए की खरीद के सेना के प्रस्ताव पर विचार करेगा। आकाश प्राइम मिसाइलें सेना में पहले से मौजूद मिसाइल सिस्टम का अत्याधुनिक संस्करण है। लद्दाख से रक्षामंत्री राजनाथ सिंह एवं सेना प्रमुख जनरल बिपिन रावत की वापसी के बाद रक्षा अधिग्रहण परिषद की बैठक में इस प्रस्ताव पर चर्चा होनी है। यदि उक्त प्रस्ताव पर मंजूरी मिल जाती है तो सेना आकाश प्राइम या बेहतर प्रदर्शन वाली आकाश मिसाइलों की दो रेजीमेंटों का अधिग्रहण करेगी। आकाश मिसाइलें ध्वनि की गति से साढ़े तीन गुना तेजी के साथ लक्ष्य तबाह कर सकती हैं। विशेष रडार सिस्टम से लैस ये मिसाइलें एक साथ दुश्मनों के 40 लक्ष्यों को ट्रैक कर सकती है और सतह से हवा में 30 किलोमीटर दूरी पर दुश्मन के ठिकानों को नेस्तनाबूद कर सकती हैं। बीते दिनों केंद्र सरकार ने पाकिस्तान और चीन से लगती सीमाओं पर वायुसेना के लिए पांच हजार करोड़ रुपए की लागत से स्वदेशी आकाश एयर डिफेंस मिसाइलों की छह स्क्वाड्रनों की खरीद को मंजूरी दी थी। शुरुआत में तो केवल दो आकाश प्रणालियों का ऑर्डर दिया था लेकिन बीते साल हुए अभ्यास में इजरायल समेत अन्य वायु रक्षा मिसाइलों में आकाश मिसाइल का प्रदर्शन सर्वश्रेष्ठ रहने के कारण रक्षा मंत्रालय ने विदेशी प्रणालियों की खरीद के बजाए आकाश का चयन किया था।

आकाश मिसाइल सिस्टम को रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन ने विकसित किया है। मालूम हो कि सेना के पास पहले से ही आकाश मिसाइल डिफेंस सिस्टम की दो रेजिमेंट हैं।

ममता ने फारूक को दिलाया भरोसा, कहा- मुश्किल समय में हम आपके साथ हैं

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री और नेशनल कांफ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला को सोमवार को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान ममता ने फारूक को भरोसा दिलाया कि वह मुश्किल समय में उनके साथ खड़ी हैं। बनर्जी ने अब्दुल्ला से सकारात्मक बने रहने की अपील की और उनके अच्छे स्वास्थ्य की कामना की। बनर्जी ने ट्वीट किया कि फारूक अब्दुल्ला जी को जन्मदिन की शुभकामनाएं। यह आपके लिए मुश्किल समय है। हम आपके साथ खड़े हैं। कृपया सकारात्मक बने रहिए। हम आपके अच्छे स्वास्थ्य की कामना करते हैं। जम्मू कश्मीर को विशेष राज्य का दर्जा देने वाले संविधान के अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्रावधान हटाए जाने के बाद 82 वर्षीय अब्दुल्ला को जन सुरक्षा कानून के तहत हिरासत में ले लिया गया था। अब्दुल्ला और बनर्जी के अच्छे संबंध हैं और उन्होंने 19 जनवरी को कोलकाता में आयोजित ''एकजुट भारत रैली में भी भाग लिया था।

दिल्ली में फिर से बनेगा गुरु रविदास का मंदिर, केंद्र के प्रस्ताव पर सुप्रीम कोर्ट ने लगाई मुहर

नई दिल्ली। दिल्ली के तुगलकाबाद में गिराए गए गुरु रविदास के मंदिर का फिर से निर्माण किया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र के इस फैसले को कुछ शर्तों के साथ मंजूरी दे दी है। सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र को 400 वर्गमीटर क्षेत्र में गुरु रविदास मंदिर के निर्माण के लिए छह हफ्ते के भीतर एक समिति का गठन करने का निर्देश दिया। केंद्र ने न्यायालय को सूचित किया कि श्रद्धालुओं की भावनाओं और आस्था को ध्यान में रखते हुए उसने मंदिर के लिए 200 वर्गमीटर के प्रस्ताव को संशोधित कर 400 वर्गमीटर किया है। इस पर कोर्ट ने निर्देश दिया कि मंदिर के लिए निश्चित किए गए स्थान के इर्दगिर्द के क्षेत्र में कोई भी किसी तरह की व्यावसायिक गतिविधि नहीं करेगा। सुप्रीम कोर्ट ने मंदिर तोड़े जाने के बाद विरोध और हंगामा करने के आरोप में गिरफ्तार किए गए लोगों को भी निजी मुचलके और बांड पर रिहा करने का आदेश दिया। बता दें कि कुछ दिन पूर्व केंद्र ने कहा था कि उसने फैसला लिया है कि गुरु रविदास के मंदिर के लिए जमीन दी जाएगी।

सैनिकों की मौत से बौखलाए पाक ने फिर तोड़ा सीजफायर, भारतीय सेना ने दिया मुंहतोड़ जवाब

नेशनल डेस्क। पाकिस्तानी सेना ने बिना किसी उकसावे के एक बार फिर संघर्ष विराम का उल्लंघन करते हुए सोमवार को जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा पर मोटर गोलीबारी की। भारतीय सेना ने भी पाकिस्तान की इस गोलीबारी का मुंहतोड़ जवाब दिया। आतंकियों के खिलाफ भारतीय सेना की कार्रवाई से पाकिस्तानी सेना बौखला गई है।जम्मू-कश्मीर के सीमावर्ती में लगातार सीजफायरिंग की जा रही है जिसे भारतीय सेना नाकाम कर रही है। बता दें कि 15 मार्च को पुंछ जिले के शाहपुर सेक्टर में सीमा पार से हुई गोलीबारी में एक महिला की मौत हो गई थी। राजौरी जिले में नियंत्रण रेखा पर 11 अक्टूबर को पाकिस्तानी सैनिकों की गोलीबारी में सेना का एक जवान घायल हो गया था जिसने बाद में दम तोड़ दिया था। पाकिस्तान की ओर से 12 अक्टूबर को भी पुंछ जिले के देगवार क्षेत्र में गोलीबारी की गयी थी। तीन अक्टूबर को पाकिस्तानी सेना ने पुंछ और कठुआ जिले में अंतरराष्ट्रीय सीमा के नजदीक गांवों को निशाना बनाकर गोलीबारी की थी। इसी बीच, पाकिस्तान ने कठुआ जिले के हीरानगर सेक्टर में अंतरराष्ट्रीय सीमा के नजदीक गांवों को निशाना बनाकर गोलीबारी की। भारतीय सेना और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने पाकिस्तानी गोलीबारी का मुंहतोड़ जवाब दिया है। इससे पहले पाकिस्तान ने 27 और 28 सितंबर को भी संघर्ष विराम का उल्लंघन करते हुए पुंछ के शाहपुर और करनी सेक्टर में गोलीबारी की थी। पाकिस्तानी सेना ने 29 सितंबर को बालाकोटे सेक्टर में भी संघर्ष विराम का उल्लंघन करते हुए भीषण गोलीबारी की थी।

पाक का नापाक इरादेः बर्फबारी से पहले थी घुसपैठ की तैयारी

जम्मू । पाकिस्तान का प्रयास है कि कश्मीर में अशांति फैलाने के लिए बर्फबारी से पहले कश्मीर में बड़ी संख्या में सशस्त्र आतंकवादियों की घुसपैठ करवाई जाए। बर्फबारी होने पर एल.ओ.सी. पर घुसपैठ के रास्ते बंद हो जाएंगे। घुसपैठ में सफल होने वाले आतंकी भी अपने अगले ठिकानों तक सुरक्षित पहुंच जाएं इसलिए एल.ओ.सी. पर सीजफायर का उल्लंघन कर गोलाबारी की घटनाओं में वृद्धि की जाती है ताकि घुसपैठ करवाई जा सके। पाकिस्तान की ओर से बर्फबारी से पहले घुसपैठ करवाने के लिए शनिवार को पहले उड़ी सैक्टर और फिर कुपवाड़ा जिले के तंगधार सैक्टर में लगभग एक दर्जन अग्रिम चौकियों को निशाना बनाते हुए गोलाबारी शुरू की गई थी। पाक की नापाक हरकतों का जवाब देने के लिए तैयार बैठी भारतीय सेना ने उसके नापाक मंसूबों पर पानी फेर दिया। वहीं नियंत्रण रेखा पर तैनात भारतीय सेना पूरी तरह मुस्तैद है कि बर्फबारी से पहले किसी प्रकार से कश्मीर में घुसपैठ नहीं होने दी जाएगी। पिछले दिनों गुप्त सूचनाओं से मिली जानकारी के मुताबिक 500 के करीब आतंकवादी घुसपैठ के लिए पाक अधिकृत कश्मीर (पी.ओ.के.) में लांच पैड पर तैयार बैठे हैं। जम्मू कश्मीर पुलिस के डी.जी.पी दिलबाग सिंह ने एक बयान में पुष्टि की थी कि बड़ी तादाद में आतंकवादी कश्मीर में घुसपैठ करने में सफल हुए हैं। पुलिस के मुताबिक कश्मीर में इस समय 200 से 300 आतंकी सक्रिय हैं जिन्हें मार गिराने के लिए अभियान जारी हैं। से 300 आतंकी सक्रिय हैं जिन्हें मार गिराने के लिए अभियान जारी हैं। वर्तमान तनाव के चलते बी.एस.एफ. बी.एस.एफ. द्वारा अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर अतिरिक्त सतर्कता बढ़ाने के साथ ही हाई अलर्ट भी रखा गया है। उल्लेखनीय है कि पुलिस महानिदेशक दिलबाग सिंह द्वारा भी एल.ओ.सी. और सीमा पार से पाकिस्तान द्वारा अफगान मूल के आतंकियों सहित भारी संख्या में आतंकियों के भारतीय क्षेत्र में घुसपैठ कराने की सूचना होने की पुष्टि की गई थी।

मतदान करने पहुंची स्मृति ईरानी, 93 साल के बुजुर्ग ने पूछा ऐसा सवाल...जोर-जोर से लगे ठहाके

मुंबई। महाराष्ट्र में सभी 288 सीटों पर आज मतदान हो रहा है। इस दौरान केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी भी वोट डालने पहुंचीं। मुंबई के पोलिंग बूथ पर जब स्मृति वोट डालकर बाहर आई तो एक 93 साल के बुजुर्ग व्यक्ति को देखकर रुक गईं। 93 साल के बुजुर्ग भी उसी पोलिंग बूथ पर वोट डालने आए थे। स्मृति और बुजुर्ग ने मीडिया के सामने अपनी उंगली पर लगी सियाही दिखाकर साथ में फोटो भी खिंचवाई। इसके बाद काफी देर तक दोनों ने आपस में बात की। बुजुर्ग ने स्मृति केंद्रीय मंत्री से पूछा कि आप अमेठी क्यों चली गईं। बुजुर्ग के इस सवाल पर खुद स्मृति ईरानी और वहां खड़े लोग जोर से हंस पड़े। वहीं स्मृति ने कहा कि आज के हीरो हैं खन्ना जी।स्मृति ने बताया कि ये सेना में भी अपनी सेवा दे चुके हैं। स्मृति ने बताया कि ये सेना में भी अपनी सेवा दे चुके हैं। अगर एक 93 साल का बुजुर्ग मतदान करने के लिए घर से बाहर आ सकता है तो आप लोग क्यों नहीं। स्मृति ने कहा कि लोग इनसे प्रेरणा लें और मतदान करने के लिए घरों से बाहर आएं। उन्होंने कहा कि अगर 93 पर ये वोट दे सकते हैं, उन्होंने कहा कि अगर 93 पर ये वोट दे सकते हैं, तो आपको कौन रोक रहा है? बता दें कि बॉलीवुड स्टार में मतदान को लेकर ज्यादा जोश दिखा। महाराष्ट्र में अब तक सुस्त वोटिंग चल रही है।

हरियाणा इलेक्शनः छिटपुट घटनाओं के साथ शांतिपूर्ण हो रहा मतदान

डेस्क(एजेंसी)।

हरियाणा विधानसभा चुनाव को लेकर हो रहे मतदान को एक पहर बीत चुका है, लेकिन अभी तक मतदाताओं का औसत आधे से कम ही बना हुआ। तीन बजे तक 43 फीसद वोटिंग ही हो पाई है। इन आठ घंटों के भीतर मतदान के दौरान कुछ छिटपुट घटनाएं सामने आई, जिससे संबंधित मतदान केन्द्रों पर हो रही पोलिंग प्रभावित हुई। वहीं दूसरी ओर जजपा नेता व प्रत्याशी ने कुछ लोगों पर आरोप लगाया है कि उनपर गिलास हमला किया गया और धक्कामुक्की की गई, जिससे जींद का डूमरखां गांव छावनी में तब्दील हो गया है। सोनीपत के खरखोदा विधानसभा सीट में आने वाले गांव निजामपुर माजरा में ग्रामीणों ने चुनाव का बहिष्कार किया। ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री मनोहर लाल व गांव के सरपंच के खिलाफ नारेबाजी की। गन्दे पानी से परेशान लोगों ने सरपंच और प्रशासन पर गली ना बनाने व चौपाल ना बनाने के आरोप लगाए। ग्रामीण बोले जब तक समाधान नही होगा तब तक मतदान नही करेंगे। महेंद्रगढ़ के कस्बा कनीना के बूथ 57 वोटिंग करीब आधे घंटे तक बाधित रही। बताया जा रहा है कि बूथ नंबर 57 पर वीवीपैट मशीन में एरर के चलते परेशानी हुई थी। बाद में मशीन बदली गई और दोबारा पोलिंग आरंभ हुई। अंबाला छावनी से भाजपा प्रत्याशी अनिल विज ने शास्त्री कालोनी के बूथ नम्बर 122 में वोटर्स की लाइन में खड़े होकरअपना वोट डाला। विज ने चाबी के निशान पर एतराज जताते कहा कि ये हारे और जमानत जब्त प्रत्याशी के निशान को हटाना चाहिए था। टोहाना बूथ नंबर 57 पर ईवीएम लॉक होने पर हंगामा हो गया। पोलिंग कर्मचारी से ईवीएम मशीन लॉक हो गई, इससे करीब आधा घंटा तक वोटिंग प्रभावित रही। कांग्रेस छोड़ चुके पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अशोक तंवर ने सिरसा के हुड्डा सेक्टर 20 में मतदान किया। वोट डालने के बाद कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अशोक तंवर ने कहा कि लोग पिछले पांच साल के अनुभव के आधार पर वोट डालेंगे। मजबूत जनादेश हरियाणा और महाराष्ट्र की जनता देगी। उन्होंने कहा कि जो हरियाणा के भाईचारे को जिन्होंने छिन्न-भिन्न किया हैं, उन्हें जनता सबक सिखाने का काम करेगी। जिला सिरसा की विधानसभा सीट रानियां में करीब साढ़े 10 बजे तक वोटिंग शुरू नहीं हो सकी, जिसका कारण पोलिंग कर्मियों व एजेंट के बीच विवाद हो बताया जा रहा है। मिली जानकारी के मुताबिक, एजेंट वोटिंग प्रतिशत को लेकर अधिकारियों से वाद-विवाद किया है। सोहना विधानसभा में दो घंटे में 11 प्रतिशत वोटिंग हुई। रेवाड़ी में मतदान प्रतिशत बढ़ाने का अनोखा तरीका, एक मतदान केंद्र पर वोट करने वालों को तुलसी का पौधा भेंट किया जा रहा है। मतदान के दौरान विभिन्न दलों के प्रत्याशी भी मतदान करने अपने-अपने अंदान पोलिंग बूथ पर पहुंचे। जहां दुष्यंत चौटाला ट्रैक्टर पर सवार होकर अपनी मां नैना चौटाला व पत्नी मेघना चौटाला मतदान करने पहुंचे। वहीं सीएम मनोहर लाल चंडीगढ़ से करनाल ट्रेन के माध्यम से रवाना हुए हैं, ।

जहां वे साईकिल पर सवार होकर मतदान केन्द्र पहुंचे और मतदान किया। कोसली 73 विधानसभा में बास गांव के बूथ नंबर 26 में ईवीएम खराब होने के कारण मतदान आधा घंटे से रुका ज्यादा।

भारतीय सेना के युद्धाभ्यास से कांप उठा रेगिस्तान, सुदर्शन चक्र ने ध्वस्त किए दुश्मनों के ठिकाने

नेशनल डेस्क(एजेंसी)।

राजस्थान के सीमांत जैसलमेर जिले में सेना की सुदर्शन चक्र वाहिनी एवं वायुसेना का संयुक्त युद्धाभ्यास से रेगिस्तान थरर उठा और इस दौरान दुश्मन के काल्पनिक ठिकानों को अचूक बमबारी कर नष्ट कर दिया गया। पोकरण फील्ड फायरिंग रेंज में रविवार को शुरू हुए दो दिवसीय युद्धाभ्यास में थल सेना एवं वायुसेना अपनी मारक क्षमता का प्रदर्शन कर रही है। सोमवार को युद्धाभ्यास के दौरान पोकरण फील्ड फायरिंग रेंज धमाकों से गूंज उठी और सैनिकों ने दुश्मन के काल्पनिक ठिकानों पर अचूक बमबारी कर उन्हें नेस्तनाबूद कर दिया। इस दौरान के-9 वज्र गन ने अचूक निशाने साधे तथा अटैकिंग हेलीकॉप्टर एवं वायुसेना के विमानों ने जबरदस्त बमबारी करते हुए इन ठिकानों को तहस-नहस कर दिया। धमाकों के कारण पूरी रेंज में रेत का गुबार छा गया। रॉकेट लॉन्चर से शत्रु के छद्म ठिकानों एवं आतंकवादी ठिकानों आदि को नष्ट करने का अभ्यास किया गया। थल एवं वायुसेना की मारक क्षमता को मजबूत और बेहतर बनाने के लिए सेना की दक्षिणी कमान के हजारों सैनिक अभ्यास कर रहे हैं। वायुसेना द्वारा कम समय में कैसे दुश्मन को नेस्तनाबूद किया जाए, इस पर थल सेना का साथ लेकर विजय प्राप्त करने का प्रदर्शन किया जा रहा है। इसमें सेना की आम्र्ड, मेकेनाइज्ड एवं इंफेंट्री बिग्रेड की यूनिट्स शामिल है। खासकर दक्षिणी कमान की सुदर्शन चक्र कॉप्स इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मौके पर सेना के कई उच्चाधिकारी भी मौजूद थे।

करतारपुर कॉरिडोरः भारत 23 अक्टूबर को करेगा एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर

इंटरनेशनल डेस्क।

सिख तीर्थयात्रियों की धार्मिक भावनाओं को ध्यान में रखते हुए भारत ने करतारपुर कॉरिडोर के लिए एग्रीमेंट पर साइन करने का फैसला लिया है। भारत 23 अक्टूबर को एग्रीमेंट साइन करेगा। भारत के विरोध के बावजूद कॉरिडोर के इस्तेमाल के लिए पाकिस्तान तीर्थयात्रियों से शुल्क लेगा। करतारपुर कॉरिडोर के लिए तीर्थयात्रियों का ऑनलाइन पंजीकरण जारी है।सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानक देव की 550वीं जयंती के लिए श्रद्धालुओं का पहला जत्था 5 नवंबर और दूसरा जत्था 6 नवंबर को रवाना होगा। भारत ने पाकिस्तान के साथ करतारपुर गलियारे को खोलने के लिए समझौते पर हस्ताक्षर करने की रज़ामंदी व्यक्त करते हुए सोमवार को उससे पुनः अपील की कि वह यात्रियों की सुविधाओं को लेकर प्रति यात्री 20 डॉलर का शुल्क लेने के फैसले पर पुनर्विचार करे। विदेश मंत्रालय ने यहां जारी एक बयान में कहा, ''सरकार पाकिस्तान से निरंतर अपील करती रही है कि तीर्थयात्रियों की भावनाओं का ख्याल रखते हुए उसे कोई यात्रा शुल्क नहीं लेना चाहिए। सरकार ने आज पाकिस्तान को बताया कि वह 23 अक्टूबर को करतारपुर साहिब गलियारे से संबंधित समझौते पर हस्ताक्षर करने को तैयार है। बयान में कहा गया है कि समझौते पर हस्ताक्षर के लिए रज़ामंदी व्यक्त करने के साथ ही सरकार एक बार फिर पाकिस्तान से अपील करती है कि वह यात्रा शुल्क लेने के फैसले पर पुनर्विचार करे। भारत ने कहा है कि अगर पाकिस्तान राज़ी हो जाये तो वह समझौते के मसौदे में किसी भी समय बदलाव करने को तैयार है। 12 नवंबर 2019 को गुरुनानक देव के 550वें प्रकाश वर्ष के पहले ही इस गलियारे को खोला जाना है। अभी तक तय कार्यक्रम के अनुसार 08 नवंबर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भारत की ओर से यात्री सुविधाओं का उद्घाटन करेंगे।

पाकिस्तान केवल भारत की समस्या नहीं, यह पूरी दुनिया के लिए चुनौती हैः राम माधव

नई दिल्ली(एजेंसी)।

पाकिस्तान को वैश्विक आतंकवाद का केंद्र बताते हुए भाजपा महासचिव राम माधव ने सोमवार को कहा कि भारत का पड़ोस अब केवल उसकी समस्या नहीं है बल्कि वैश्विक चुनौती बन गया है। माधव ने कहा कि लोकतांत्रिक दुनिया को साथ में आना चाहिए तथा पाकिस्तान को आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए बाध्य करना चाहिए जो एक वैश्विक समस्या बन गया है। भारत और पाकिस्तान के बीच संबंधों तथा दोनों देशों के बीच संवाद की गुंजाइश के बारे में पूछे जाने पर माधव ने कहा कि पिछले सात दशक में रिश्तों में उतार-चढ़ाव रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत को पाकिस्तान के साथ दोस्ताना संबंध रखने में निश्चित रूप से खुशी होगी लेकिन सबसे पहले उसे सीमापार आतंकवाद के प्रमुख मुद्दे पर ध्यान देना होगा। अमेरिका-भारत सामरिक संबंध फोरम द्वारा आयोजित सम्मेलन को संबोधित कर रहे माधव ने कहा, आज हम एक ऐसे दौर से गुजर रहे हैं जहां पाकिस्तान को अब केवल भारत ही मुश्किल संबंधों के तौर पर नहीं देखता। दुनिया के कई देश पाकिस्तान को ऐसे चिंता के मुद्दे के तौर पर देखते हैं जहां खासतौर पर पाकिस्तान में आतंकी ढांचे के बारे में बात हो रही है। माधव ने कहा कि एक वक्त था जब देश भारत को पाकिस्तान के साथ बातचीत करने की सलाह देते थे लेकिन आज कोई ऐसा नहीं कर रहा क्योंकि पाकिस्तान वैश्विक आतंकवाद का केंद्र बन गया है। जम्मू कश्मीर के भाजपा मामलों के प्रभारी माधव ने कहा कि अनुच्छेद 370 समाप्त होने के बाद कश्मीर के बारे में पाकिस्तान ने जिस तरह प्रतिक्रिया दी, अनुच्छेद 370 समाप्त होने के बाद कश्मीर के बारे में पाकिस्तान ने जिस तरह प्रतिक्रिया दी, वह वैश्विक समुदाय के सामने अलग-थलग पड़ गया है। उन्होंने कहा, पाकिस्तान सरकार देश के आंतरिक मामलों का प्रबंधन करने के संबंध में वाकई गंभीर नहीं है जो सर्वोच्च प्राथमिकता या प्रतिबद्धता होनी चाहिए। दुर्भाग्यपूर्ण है कि हमारे पड़ोस में ऐसे हालात हैं। एफएटीएफ द्वारा पाकिस्तान पर लागू पाबंदियों के बारे में माधव ने कहा कि वह काली सूची में आने से बाल-बाल बचा है लेकिन कोई नहीं जानता कि अगले साल फरवरी में क्या होगा।

सत्यपाल मलिक की पाक को चेतावनी- अब भी बाज नहीं आया तो घर में घुसकर मारेंगे

नेशनल डेस्क(एजेंसी)।

भारतीय सेना द्वारा पाक अधिकृत कश्मीर में स्थित आतंकी कैंपों पर हमला करने के बाद अब जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल सत्यपाल मलिक ने भी पाक को चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि आतंकी कैंपों को हम बिल्कुल बर्बाद कर देंगे और अगर ये बाज नहीं आए तो हम अंदर तक जाएंगे। राज्यपाल ने मीडिया से बातचीत में कहा कि जंग बुरी चीज है और पाकिस्तान को यह जान लेना चाहिए कि उसे कैसा व्यवहार करना है। अगर पाकिस्तान अपने तरीके से नहीं चेता तो कल जो भी हुआ, हम उससे और आगे जाएंगे। उन्होंने कहा कि मैं राज्य के लोगों से कहना चाहता हूं कि 1 तारीख से नया कश्मीर होगा, उसमें ये अपनी हिस्सेदारी दें और अपने स्टेट को आगे बढ़ाइये। उन्होंने कहा कि मैं युवा पीढ़ी से अपील करना चाहता हूं कि वे अपने राज्य की प्रगति के लिए काम करें। वहीं इससे पहले सेना प्रमुख जनरल बिपिन रावत ने कहा था कि पाकिस्तान अगर ऐसी गतिविधियां जारी रखेगा तो भारतीय सेना जवाबी कार्रवाई से नहीं हिचकिचाएगी। बता दें कि रविवार को जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा पर भारत के पराक्रम में 5 पाकिस्तानी सैनिक ढेर हो गए। इसके साथ ही भारत ने में मौजूद लश्कर के तीन कैंप को नेस्तनाबूद कर दिया है।

संपादकीय

प्रदूषित जमीन पर

हम अपने देश में प्लास्टिक इस्तेमाल कम करने के लिए बड़ा अभियान चला रहे हैं। दुनिया भर में तकरीबन हर जगह इस तरह के अभियान चल रहे हैं। फिलहाल पहली कोशिश एक बार इस्तेमाल होने वाले प्लास्टिक से मुक्ति पाने की है, क्योंकि वह दुनिया के प्लास्टिक प्रदूषण में सबसे बड़ी भूमिका निभाता है। इसी के साथ खड़ी हुई एक अन्य चुनौती है माइक्रो-प्लास्टिक, यानी प्लास्टिक के वे बारीक कण, जो नंगी आंखों से नहीं दिखाई देते। ये हर जगह हैं। उस हवा में भी, जिसमें हम सांस लेते हैं; उस पानी में हैं, जिसे हम इस्तेमाल करते हैं; उस भोजन में भी, जिसे हम खाते हैं। ये कण नदी में हैं, तालाब में हैं और समुद्र में भी। इसके साथ ही ये हमारी जमीन और मिट्टी में भी मिल चुके हैं, जहां उनकी मात्रा लगातार बढ़ती जा रही है। आजकल रासायनिक उर्वरक की जगह कूड़े से बनी कंपोस्ट के इस्तेमाल पर बहुत ज्यादा जोर दिया जाने लगा है। पर्यावरण को बचाने के लिहाज से यह एक अच्छा तरीका है, लेकिन दिक्कत यह है कि हमारे कूड़े में प्लास्टिक होता है, जो कंपोस्ट के जरिए हमारे खेतों में पहुंच जाता है। अमेरिका जैसे कुछ देशों के लिए तो यह समस्या कुछ ज्यादा ही बड़ी है, क्योंकि वहां उत्पादन को तेजी से बढ़ाने के लिए कई ऐसे पदार्थ मिलाए जाते रहे हैं, जिनमें भारी मात्रा में प्लास्टिक होता है। असल में, मिट्टी में मिले प्लास्टिक के दुष्प्रभावों से हम अभी तक अनजान थे, अब ये धीरे-धीरे सामने आने लगे हैं। एंग्लिया रस्किन यूनिवर्सिटी ने जमीन में पाए जाने वाले इस माइक्रो-प्लास्टिक पर पिछले दिनों जब शोध किया, तो कुछ काफी खतरनाक संकेत मिले। उन्होंने पाया कि इसकी वजह से जमीन में पाए जाने वाले केंचुए कमजोर होने लग गए हैं। जहां जितना माइक्रो-प्लास्टिक है, वहां उतने ही कमजोर केंचुए हैं। केंचुए हमारी जमीन की उर्वरता का ही नहीं, हमारी खाद्य सुरक्षा का भी बहुत बड़ा आधार हैं। एक तो वे मिट्टी में मौजूद कचरे को पौधों के लिए खाद में बदल देते हैं, दूसरे वे मिट्टी को इस तरह से पोला बनाते हैं कि उसमें मौजूद पेड़-पौधों की जड़ें आसानी से सांस ले सकें। खासतौर पर बीजों के अंकुरण में इसकी सबसे बड़ी भूमिका होती है। इसीलिए पिछले कुछ समय से वर्मी कंपोस्ट पर सबसे ज्यादा जोर दिया जाने लगा है। जाहिर है, जमीन में माइक्रो-प्लास्टिक बढ़ने का अर्थ है मिट्टी की उत्पादकता का कम होना। दिलचस्प बात यह है कि जो वैज्ञानिक इस नतीजे पर पहुंचे, वे यह जानने की कोशिश कर रहे थे कि क्या मिट्टी में माइक्रो-प्लास्टिक मिलाने से उसकी उत्पादक क्षमता बढ़ाई जा सकती है, और उन्हें जो नतीजा मिला, वह इसके बिल्कुल उलट था। इस प्रयोग ने हमें एक और कारण दे दिया कि प्लास्टिक से मुक्ति की ओर तेजी से बढ़ने की क्यों जरूरत है? दुनिया की आबादी इस समय 750 करोड़ से भी कहीं ज्यादा है। हमें जितने लोगों का पेट भरना है, उतनी जरूरत मानव इतिहास में कभी नहीं रही। ऐसे में, खाद्य उत्पादन में जरा भी कमी पूरी दुनिया के राजनीतिक संतुलन को बदल सकती है। माना जाता है कि किसी भी देश के आर्थिक रूप से ताकतवर बनने का रास्ता खाद्यान्न आत्मनिर्भरता से ही शुरू होता है। यह भले ही अपने आप में पर्याप्त न हो, पर एक जरूरी शर्त तो है ही। यानी यह माइक्रो-प्लास्टिक कई देशों की ताकत मिट्टी में मिला सकता है।

आज के ट्वीट

विश्वेषण

वीर सावरकर के जीवन की व्याख्या करते हुए श्रद्धेय अटल जी ने कहा था सावरकर जी को हम समझने का प्रयत्न करें। सावरकर जी की विधारधारा का विश्लेषण करें।

बीजेपी

विसंगतियों के व्यवहार से उपजी टीस

सुरेश सेठ

पौन सदी के आज़ाद भारत के विगत छह वर्ष ऐसे रहे हैं, जिनमें देश की सांस्कृतिक गरिमा और गौरवपूर्ण अतीत का खूब बखान होता रहा। हिमाचल ही देवभूमि नहीं, बल्कि देश की अधिकांश आबादी धार्मिक निष्ठा और उत्सव-त्योहारों के सांस्कृतिक ओज से कुछ इस प्रकार डूबने लगी कि कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक मंदिर, गुरुद्वारे, मस्जिदें और चर्च नव समर्पण के बड़े केंद्र बन गये। परन्तु जब राजनीतिज्ञों ने उनके बल पर चुनावों में विजय प्राप्ति के लिए वोटों के ध्रुवीकरण की तलाश शुरू कर दी तो इस तलाश से चौंकने वाले आयाम खुले। भारत के इस बदलते रुझान से बहुत से विरोधाभास मुखर होने लगे। एक ओर इसरो का जय-जयकार, उसके अंतरिक्ष अभियान के समाचार, चन्द्रयान अभियान की आंशिक सफलता और उससे चांद की धरती की निरंतर खोज-खबर आने लगी। मोदीकाल की दूसरी पारी का प्रारंभ नयी शिक्षा नीति के प्रारूप से हुआ। इसमें शोध, अनुसंधान और वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने पर बल है। अंधविश्वास, मिथ्या आडंबरों और भ्रमजाल को तोड़ने का संदेश है। दूसरी ओर यहां स्पूतनिक के साथ बैलगाड़ी भी चल रही है। भारत के रक्षामंत्री फ्रांस में अपनी नभसेना के लिए राफेल विमान का पहला जहाज लेने जाते हैं, तो विदेशी धरती पर रवायती पूजा-अर्चना के साथ, नींबू-मिर्ची के साथ उसकी नजर भी उतारते हैं। मीडिया में इसकी ले-दे होती है। इसी तरह लाखों-करोड़ों की वातानुकूलित बड़ी-बड़ी गाड़ियां खरीदने वाले धनकुबेर अपने चहेते धार्मिक स्थलों के सामने पंडितों से रोली-चंदन से अपनी गाड़ियों की पूजा-अर्चना करवा इनकी नजर उतरवाते मिलेंगे। लकदक गाड़ियों के पिछवाड़े परांदे लटके हुए देखे जाते हैं। देश की मन्दी टालने के लिए निर्माण गतिविधियों को प्रोत्साहन देने का फार्मूला विज्ञ अर्थशास्त्रियों ने दिया है। लेकिन बड़ी बहुमंजिली इमारतों का गृहप्रवेश शुभ मुहूर्त निकलवा पूजा के साथ होता है, लेकिन तो भी लोगों की बदनजर से बचाने के लिए इन इमारतों के कंगूरों पर दिठौने लगा नजर उतारनी हमने छोड़ी नहीं। सिद्ध पंडितों की मांग बढ़ रही है। विजय प्राप्त करने या गद्दी बचाने के लिए नेता लोग तंत्र साधना के महायज्ञ रचते हैं। राजनीति इनकी मुखापेक्षी हो गयी। इनके भक्तों का समर्थन प्राप्त करने के लिए नेतागण इनकी परिक्रमा करते नजर आते हैं। बाबाओं के स्पष्ट समर्थन का महत्व बढ़ गया है। चन्द राजनीतिज्ञों का प्रिय परिधान भी भगवा बन गया। बीते युग में धीरेन्द्र ब्रहमचारी से लेकर चन्द्रास्वामी तक का प्रभामंडल राजनीतिक प्रभाव से दीप्त रहा। कभी कोई मण्डलेश्वर राजनीतिक और आर्थिक गुत्थियां सुलझाने में मध्यस्थ बने या मंच निर्णय करते नजर आते हैं। लेकिन धर्म, राजनीति और व्यावहारिकता की इस अभिन्नता में सब कुछ उजला नैतिक और आदर्श ही नहीं। देखते ही देखते चन्द धर्माचार्य अकूत सम्पदा और प्रभाव के स्वामी बन गये। उनके आशीर्वाद के दरकते दर्पण में से यौन स्कैंडलों से लेकर घपलों-घोटालों का अनावरण साधारण जन को भौचक्का या अचंभित कर देता है। वह कह देता है, कहां अपनी आस्था रखूं, और किसे नकार दूं?

ज्यों-ज्यों नैतिक मूल्यों और आदर्शों पर भौतिकता की अजगर फांस बढ़ती जा रही है, अध्यवसाय, तप-तपस्या और साधना परिश्रम का मार्ग बौना होता जा रहा है। हथेली पर सरसों जमाने का दर्शन उसकी जगह लेने लगा है। देशों को युगों में प्राप्त हुई सांस्कृतिक चेतना की जगह शार्टकट संस्कृति लेने लगी है। मार्ग तय करने की जगह किसी भी तरह मंजिल प्राप्त कर लेना अधिक समीचीन हो गया। हर अभियान में सफल होने के लिए चोर गलियों की तलाश शुरू हो गयी। साध्य साधना ही जरूरी है, चाहे किसी उपाय से सधे। आज सफल व्यक्ति आगे बढ़ने के लिए बैसाखियां तलाशने में लगे हैं। गलत हो या सही, इसकी बन्दिश नहीं। जो आपको जीवन की इस अन्धी दौड़ में आगे ले जाये, वही सही है। 'प्रेम और युद्ध में सब कुछ जायज है।' अंग्रेजी का यह सूत्र वाक्य जीवन की आपाधापी में आगे निकलने का मूलमंत्र बनता जा रहा है। कल के माफिया डॉन या उनके प्रेरक आज आपको बड़े-बड़े नेता और मार्गदर्शक बने नजर आने लगे हैं। चाटुकारिता सफलता का अमोघ शस्त्र बन गयी। सत्य बोलने वाले 'सत्यवादी हरिश्चन्द्र' का कटाक्ष सहजीवन वृत्त से बाहर हो रहे हैं। मिथ्या भाषण पग मधुर आचरण सर्वप्रिय हो रहा है। बड़े बूढ़े देखते हैं तो कह देते हैं, 'बरखुरदार जिंदगी के तौर-तरीके समझ गया। तरक्की करेगा, जिंदगी में आगे जायेगा।' यह आगे जाना क्या है? 'सादा जीवन और उच्च विचार' की धारणा को बासी और बीते युग का मान आधुनिकता के नाम पर उपभोक्ता संस्कृति का बोलबाला? यहां कौए हंस की चाल चलते हैं, लेकिन इक्कीसवीं सदी है न, अतः अपनी चाल नहीं भूलते। मोरपंखी संस्कृति की स्थापना में प्रेस, इंटरनेट से लेकर सोशल मीडिया तक का इस्तेमाल बेहिचक होने लगा है। केवल वंश सेवा करने वाले अपने आपको बड़े से बड़ा समाजसेवी घोषित करते नजर आते हैं। लोग उनकी सफलता देखकर उन्हें सिर-आंखों पर बिठाते हैं। आज छद्म संस्कृति सहज संस्कृति हो गयी। अपने पक्ष में अधिक से अधिक चिल्ला सकना सफलता का राजपथ बना है। इस राजपथ पर अपनी पालकी सजाने के लिए उन्हें सत्य, निष्ठा, सेवा और आचरण की जरूरत नहीं। मात्र दावे, वक्तव्य, उद घोषणायें और राष्ट्र के लिए त्याग और बलिदान की नाटकीय भंगिमायें ही उनकी पालकी का कहार बनी नजर आती हैं। असफलता के अवसाद से बचने के लिए शार्टकट संस्कृति के ये ध्वजवाहक कुछ भी कर गुजरने पर उतारू हो जाते हैं। तर्क को एक ओर बिठा कर कुतर्क कट्टरता और स्वार्थपरता का खेल खेला जाता है। विजयी लोग शिक्षा संस्थानों से लेकर धर्म स्थानों और वहां से लोकतंत्र के मंदिर तक अपने अहंकार का परचम लहराते दिखायी देते हैं। लेकिन ऐसी विजयपताकाओं के पीछे एक निरन्तर खोखली होती संस्कृति दिखायी देती है। इनकी सफलता के आंकड़ों और सूचकांकों को जब बेनकाब करते हैं तो उसके चन्द लोग धन, सम्पदा और सत्ता के वारिस बने नजर आते हैं। देश दो हिस्सों में बंटता नजर आता है। एक ओर भव्य प्रासादों का भारत जिसका शीर्ष निरन्तर ऊंचा हो रहा है। दूसरी ओर झुग्गी-झोपड़ी वाला सड़कछाप पूरा भारत, जहां से भूख, बेकारी, कर्जदारी और बीमारी हिलने का नाम नहीं लेती। जरूरत इस दरकते दर्पण को जोड़ने के लिए युवा पीढ़ी के आगे आने की है। अब तो अट्ठारह की उम्र से उन्हें वोटिंग अधिकार भी मिल गया। मत शक्ति या फिर नोटा का हथियार उन्हें सार्थक परिवर्तन का अग्रदूत बना सकता है। लेखक साहित्यकार एवं पत्रकार हैं।

ज्ञान गंगा

आभास

श्रीराम शर्मा आचार्य

एक बार एक व्यक्ति की उसके बचपन के टीचर से मुलाकात होती है, वह उनके चरण स्पर्श कर अपना परिचय देता है। वे बड़े प्यार से पूछती है, ''अरे वाह, आप मेरे विद्यार्थी रहे हैं, अभी क्या करते हो, क्या बन गए हो?'' ''मैं भी एक टीचर बन गया हूं' वह व्यक्ति बोला, ''और इसकी प्रेरणा मुझे आपसे ही मिली थी जब में 7 वर्ष का था।' उस टीचर को बड़ा आश्चय हुआ, और वे बोली कि, ''मुझे तो आपकी शक्ल भी याद नहीं आ रही है, उस उम्र में मुझसे कैसी प्रेरणा मिली थी?'वो व्यक्ति कहने लगा कि ..''यदि आपको याद हो, जब में चौथी क्लास में पढ़ता था, तब एक दिन सुबह सुबह मेरे सहपाठी ने उस दिन उसकी महंगी घड़ी चोरी होने की आपसे शिकायत की थी, आपने क्लास का दरवाजा बन्द करवाया और सभी बच्चों को क्लास में पीछे एक साथ लाइन में खड़ा होने को कहा था, फिर आपने बार-बारी से सभी बच्चों की जेबें टटोली थी। मेरी जेब से आपको घड़ी मिल गई थी, जो मैंने चुराई थी, पर चूंकि आपने सभी बच्चों को अपनी आंखें बंद रखने को कहा था तो किसी को पता नहीं चला कि घड़ी मैंने चुराई थी। टीचर उस दिन आपने मुझे लज्जा व शर्म से बचा लिया था, और इस घटना के बाद कभी भी आपने अपने व्यवहार से मुझे यह नहीं लगने दिया कि मैंने एक गलत कार्य किया था, आपने बगैर कुछ कहे मुझे क्षमा भी कर दिया और दूसरे बच्चे मुझे चोर कहते इससे भी बचा लिया था।' ये सुनकर टीचर बोली, ''मुझे भी नहीं पता था बेटा कि वो घड़ी किसने चुराई थी' वो व्यक्ति बोला,''नहीं टीचर, ये कैसे संभव है? आपने स्वयं अपने हाथों से चोरी की गई घड़ी मेरे जेब से निकाली थी।'टीचर बोली..''बेटा मैं जब सबके पॉकेट चेक कर रही थी, उस समय मैंने कहा था कि सब अपनी आंखे बंद रखेंगे, और वही मैंने भी किया था, मैंने स्वयं भी अपनी आंखें बंद रखी थी।' मित्रो..किसी को उसकी ऐसी शर्मनाक परिस्थिति से बचाने का इससे अच्छा उदाहरण और क्या हो सकता है?यदि हमें किसी की कमजोरी मालूम भी पड़ जाए तो उसका दोहन करना तो दूर, उस व्यक्ति को ये आभास भी ना होने देना चाहिए कि आपको इसकी जानकारी भी है।

बढ़ती उम्र में नये अनुभवों संग जीना

अंतर्मन/ रेनू सैनी

निःसंदेह हम सभी यह समझते हैं कि सफलता व काम करने का उम्र के साथ संबंध होता है। जैसे-जैसे आयु बढ़ती जाती है, वैसे-वैसे व्यक्ति की कार्य करने की क्षमता घटती जाती है। पर यह केवल एक मिथक है। यदि व्यक्ति बढ़ती आयु में भी लगातार सक्रिय रहे तो आयु उसकी क्षमता को कम नहीं करती, बल्कि उसे और अनुभवी बनाकर निखारती है। नार्मन विन्सेन्ट पील का मानना है कि 'संघर्ष, लक्ष्य और उत्साह ही किसी को चैम्पियन बनाते हैं।' नौकरी पाने की एक निश्चित आयु हो सकती है लेकिन शिक्षा प्राप्त करने, संघर्ष करने व अपने लक्ष्य को पाने की कोई उम्र नहीं होती। व्यक्ति किसी भी उम्र में यह सब प्राप्त कर सकता है, हां इसके लिए उसके हृदय में उत्साह, प्रसन्नता व काम करने की ललक होनी चाहिए। इसी ललक, उत्साह व प्रसन्नता के नए मापदंड विकसित किए हैं मेजर जनरल वी.डी. डोगरा और गगन खोसला ने। मेजर जनरल वी.डी डोगरा दुनिया के पहले सर्विंग ऑफिसर और मेजर जनरल हैं, जिन्होंने आयरनमैन का खिताब प्राप्त किया है। इतना ही नहीं, वे सबसे ज्यादा उम्र में दो बार आयरनमैन का खिताब पाने वाले इकलौते भारतीय भी हैं। उन्होंने बीते साल ऑसट्रिया के क्लैंगफर्ट में हुई आयरनमैन की प्रतियोगिता के बाद इस बार भी जर्मनी के हैमबर्ग में इस खिताब को हासिल किया। आयरनमैन एक अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता है, जिसमें प्रतियोगी को एक बार 3.8 कि.मी स्वीमिंग, 42.2 कि. मी. रनिंग और 180 कि.मी. साइकिलिंग करनी होती है। इस प्रतियोगिता को 17 घंटे के अंदर पूरा करना होता है। मेजर जनरल डोगरा ने पिछली बार इसे 14 घंटे 21 मिनट में पूरा किया था और अपने ही रिकॉर्ड में सुधार करते हुए उन्होंने इस बार इस प्रतियोगिता को 13 घंटे 40 मिनट में पूरा किया। उस पर इस प्रतियोगिता में 60 वर्ष के व्यक्ति का विजयी होना हैरत भरा है न। मेजर जनरल वी.के. डोगरा का यह कहना है कि इसमें हैरत वाली कोई बात नहीं है। नियमित व्यायाम और अभ्यास से हर कठिनाई पर विजय पाई जा सकती है। इसी तरह 62 साल के गगन कुमार ने कश्मीर से कन्याकुमारी तक साइकिल से यात्रा की। यह यात्रा उन्होंने 20 सितम्बर, 2016 को लेह से प्रारंभ की थी और 20 अक्तूबर, 2016 को इसे पूरा किया। इस दौरान उन्होंने 13 राज्यों से होते हुए कश्मीर से कन्याकुमारी तक 4300 कि.मी. का रास्ता तय किया। गगन नारंग अपने स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए नियमित जिम और दौड़ लगाते हैं। भारतीय समाज में अक्सर लोग देखते हैं कि 60-65 की आयु पार करने के बाद अमूनन वृद्धजन घर के एक कोने में बैठ जाते हैं अथवा भजन कीर्तन को ही अपने जीवन का उद्देश्य समझ लेते हैं। लेकिन ऐसा नहीं है। जीवन के हर पल को किसी भी उम्र में जिया जा सकता है। जिंदगी जीने के लिए है, आनंद उठाने के लिए है, अपने अंतिम पलों का इंतजार करने के लिए नहीं। हमारे सामने अनेक ऐसे भी उदाहण हैं, जिन्होंने खतरनाक से खतरनाक बीमारी को भी हराकर जीवन को जीता है। असंख्य शोधकर्ताओं ने इस बात को साबित किया है कि सीखने की योग्यता 70 की आयु में भी उतनी ही अच्छी होती है, जितनी कि 17 वर्ष की आयु में। यदि व्यक्ति सृजन करता रहे तो उसे अपनी बढ़ती आयु का पता ही न चले। यही कारण है कि सृजनात्मक कार्य करने वाले-शोध वैज्ञानिक, आविष्कारक, पेंटर, लेखक, दार्शनिक आदि गैर-सृजनात्मक कार्य करने वालों से ज्यादा लंबे समय तक उत्पादक बने रहते हैं। थॉमस अल्वा एडीसन 90 की उम्र में भी सक्रिय रहकर आविष्कार करने में लगे हुए थे। माइकल एंजेलों ने 80 की उम्र पार करने के बाद भी अपनी कुछ सर्वश्रेष्ठ पेंटिंग बनाई थीं। पिकासो 75 की उम्र के बाद भी कला संसार में अपनी धाक जमाए हुए थे और शॉ 90 की उम्र होने पर भी नाटक लिखने में लगे हुए थे। इसी तरह माइकल डेबेकी 90 साल की उम्र में भी विश्व के नम्बर 1 हार्ट सर्जन थे। वे इतनी उम्र में भी नियमित रूप से ऑपरेशन करते थे। इन सभी विभूतियों के लिए उम्र केवल एक नम्बर की तरह थी। उन पर उम्र बढ़ने के कोई चिन्ह नहीं थे। डॉ. अरनॉल्ड ए. हट्शनैकर कहते हैं कि, 'हम वर्षों की वजह से नहीं, घटनाओं और उन पर हमारी भावनात्मक प्रतिक्रियाओं की वजह से बूढ़े होते हैं। इटली के सारडीनिया द्वीप में 100 साल की आयु पार करने के बाद भी अनेक लोग हंसते और खिलखिलाते हुए आनंदपूर्वक जीवन जी रहे हैं। वहां 90 की उम्र तक लोग अपने सारे काम खुद करते हैं। यही कारण है कि सृजनात्मकता में लगे रहने वाले, मुस्कराकर रहने वाले और मिलजुलकर रहने वाले लोग आयु बढ़ने पर भी बुढ़ापे की कुर्सी पर बैठना पसंद नहीं करते। ऐसा हम सब कर सकते हैं, बस उसके लिए हमें इतना करना है कि बढ़ती आयु के साथ हर दिन इस धारणा को पुख्ता करते जाना है कि जीवन में करने के लिए और देखने के लिए अभी बहुत कुछ शेष है। उम्र बढ़ने के साथ-साथ एक नए अनुभव के साथ-साथ नए सिरे से जीना सिखा रहा है।

आज का राशिफल

मेष — जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। रोजी के अवसर बढ़ेंगे। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। किसी मूल्यवान वस्तु के चोरी या खोने की आशंका है। व्यावसायिक मामलों में लाभ मिलेगा।

वृषभ — आर्थिक मामलों में सुधार होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मांगलिक उत्सव में भाग लेंगे। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।

मिथुन — पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। किसी कार्य के सम्पन्न होने से आपके प्रभाव तथा वर्चस्व में वृद्धि होगी। संतान या शिक्षा के कारण चिंतित हो सकते हैं। रचनात्मक प्रयास फलीभूत होंगे।

कर्क — आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। दूसरों से सहयोग लेने में सफल होंगे। विभागीय समस्या आ सकती है।

सिंह — पारिवारिक जनों के साथ सुखद समय गुजरेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। किसी रिश्तेदार के कारण तनाव हो सकता है।

कन्या — जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। मांगलिक उत्सव में हिस्सेदारी होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

तुला — प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। किया गया श्रम सार्थक होगा। संबंधित अधिकारी के कृपा पात्र होंगे। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

वृश्चिक — दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

धनु — संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। नेत्र विकार की संभावना है। मन अशान्त रहेगा। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। स्वास्थ्य एवं प्रतिष्ठा के प्रति सचेत रहें।

मकर — पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। संबंधित अधिकारी से तनाव मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। कोई पारिवारिक व व्यावसायिक समस्या आ सकती है।

कुम्भ — जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। किसी अज्ञात भय से ग्रसित रहेंगे। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।

मीन — पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। सुखद परिवर्तन की दिशा में व्यक्ति विशेष का सहयोग मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। रक्तचाप में वृद्धि होगी।

जियो का नया ऑफरः घटाए मोबाइल टैरिफ प्लान के दाम

नई दिल्ली(एजेंसी)।

रिलायंस जियो ने सोमवार को मध्यम श्रेणी के नए टैरिफ प्लान की घोषणा की है। कंपनी ने इसके मौजूदा पैक में मामूली कटौती करते हुए इंटरकनेक्शन यूसेज शुल्क (आईयूसी) को समायोजित किया है। जियो ने एक बयान में कहा, तीन महीने वाले 448 रुपए पैक की कीमत अब 444 रुपए होगी। इसमें ग्राहकों को प्रतिदिन 2 जीबी का डेटा मिलेगा। इसके अलावा अन्य नेटवर्क पर कॉल करने के लिए 1 हजार मिनट मिलेंगे। इसी प्रकार, कंपनी ने दो महीने के प्लान की कीमत को घटाकर 333 रुपए किया और इसमें 1 हजार मिनट की आउटगोइंग कॉल की अतिरिक्त पेशकश की है।

कंपनी का दावा है कि यदि ग्राहक आईयूसी पर आधारित इन 1 हजार मिनट को अलग से लेंगे तो इसकी लागत करीब 80 रुपए होगी। कंपनी ने आईयूसी कॉल की 80 रुपए की लागत को समायोजित करते हुए 198 रुपए के मासिक पैक के दाम बढ़कर 222 रुपए कर दिए हैं।

जोमैटो का बायोडी एनर्जी से सहयोग, उपयोग के बाद बचे खाद्य तेल से बनेगा बायो डीजल

नई दिल्ली(एजेंसी)।

रेस्टोरेंटों में उपयोग के बाद बचे खाद्य तेल को एकत्र कर उसे बायो डीजल में बदला जाएगा। बायोडी ने जोमैटो के सहयोग से हरियाणा के बावल स्थित अपने संयंत्र में पके हुए खाद्य तेल से 1000 मीट्रिक टन तेल प्रासेस कर बायोडीजल बनाने का लक्ष्य रखा है। खाने के तेल की बर्बादी रोकने और खाद्य सुरक्षा व स्वास्थ्य की दिशा में यह महत्वपूर्ण पहल एफएसएसएआई के नियम को ध्यान में रखते हुए की गई है। दरअसल, एफएसएसएआई ने प्रतिदिन 50 लीटर से अधिक खाद्य तेल इस्तेमाल करने वाले फूड बिजनेस ऑपरेटरों के लिए खाद्य तेल के अधिकम तीन बार दुबारा प्रयोग का नियम अनिवार्य कर दिया है। खाद्य सुरक्षा मिशन का लाभ लेने के मकसद से की गई साझेदारी के तहत जोमैटो रेस्टोरेंटों से उपयोग किया गया तेल एकत्र करेगा और बायोडी उसे बावल (हरियाणा) स्थित अपने प्लांट में बायो डीजल में बदल देगा। दोनों कंपनियों ने मार्च, 2020 तक प्रतिमाह 1000 मीट्रिक टन तेल प्रोसेस करने का लक्ष्य रखा है। इससे न केवल रेस्टोरेंट में परोसे जाने वाले खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता बढ़ेगी, बल्कि पर्यावरण की स्थिति में भी सुधार होगा। बायोडी एनर्जी के ग्रुप सीईओ शिवा विज ने बताया, पिछले 3 वर्षों में हमने 10 लाख लीटर से अधिक यूसीओ एकत्र किया। इस साझेदारी से हमारे काम के शुरुआती चरण में बहुत मदद मिलेगी। हम तेल को बायोडीजल में बदलने की अपनी क्षमता (प्रतिमाह 3000 मीट्रिक टन) का अधिक उपयोग कर पाएंगे। सरकार 2030 तक स्वच्छ ईंधन लागू करने के नए अवसरों की तलाश में है। लिहाजा, बायो डीजल पर अधिक ध्यान देना लाजमी है। जोमैटो के रीतेश खेरा ने कहा, हमारा उद्देश्य हर एक के भोजन की गुणवत्ता में सुधार करना है।

1 महीने में सार्वजनिक हो सकती है बीएसएनएल को पटरी पर लाने की योजना

नई दिल्ली(एजेंसी)।

आर्थिक तंगी से जूझ रही दूरसंचार कंपनी भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) को पटरी पर लाने के लिए सरकार काम कर रही है। बीएसएनएल के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक पीके पुरवार ने कहा है कि सरकार की योजना एक महीने के भीतर सार्वजनिक कर दिए जाने की उम्मीद है। इसके लिए पुनरूत्थान पैकेज पर काम चल रहा है। पैकेज में कंपनी के कर्मचारियों के स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना, संपत्तियों को बेचकर धन जुटाना और 4जी स्पेक्ट्रम का आवंटन शामिल है। उन्होंने कहा कि दिवाली से पहले कर्मचारियों को उनका वेतन भी मिल जाएगा। बीएसएनएल नए ग्राहक जोड़ रही है। आगे उन्होंने कहा कि कंपनी की आय 20,000 करोड़ रुपए से अधिक है। बीएसएनएल पर फिलहाल 14 हजार करोड़ की देनदारी है और वित्त वर्ष 2017-18 में उसे 31287 करोड़ का नुकसान हुआ था। इससे पहले दूरसंचार मंत्री रविशंकर प्रसाद ने कहा था कि खराब वित्तीय हालत से जूझ रही सरकारी कंपनी बीएसएनएल का अस्तित्व में रहना देश के लिए बहुत जरूरी है। सरकार इस कंपनी को चलाने में आ रही परेशानियों को दूर करने के लिए प्रयास कर रही है। प्रसाद ने कहा था कि जब भी देश के किसी भी हिस्से में कोई प्राकृतिक आपदा जैसे बाढ़, तूफान आता है, तो बीएसएनएल ही पहली कंपनी होती है जो मुफ्त में सेवाएं देती है। कंपनी की कमाई का 75 फीसदी हिस्सा कर्मचारियों का वेतन देने में काम आता है। वहीं अन्य कंपनियां इस मद में केवल पांच से 10 फीसदी खर्च करती हैं।

निवेशकों को बनाए रखने के लिए प्रणाली बना रहा डीपीआईआईटी

नई दिल्ली(एजेंसी)।

उद्योग संवर्द्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) निवेशकों को बनाए रखने और देश के भीतर उन्हें कार्यालय इत्यादि स्थापित करने में मदद के लिए एक प्रणाली बना रहा है। डीपीआईआईटी के सचिव गुरुप्रसाद मोहपात्रा ने सोमवार को यह बात कही। मोहपात्रा ने कहा कि इस संबंध में एक प्रस्ताव वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की अनुमति के लिए भेजा गया है। इसके बाद वह देश में एक निवेश संवर्द्धन और सुविधा एजेंसी 'इंवेस्ट इंडिया गठित करेगी। इसका वित्तपोषण डीपीआईआईटी करेगा। यहां एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा, ''हम बहुत जल्द इसकी घोषणा करेंगे। 'इंवेस्ट इंडिया के तहत हम एक अन्य प्रणाली विकसित करेंगे जो वास्तव में निवेश प्रस्तावों से जुड़े सवालों के समाधान, उन्हें बनाए रखने और उन्हें उनके क्षेत्र में परिचालन में लाने के लिए काम करेगी। मोहपात्रा ने कहा कि नई प्रणाली के तहत किसी कंपनी को किसी कस्बा, जिला या राज्य में एक संयंत्र लगाने के लिए सभी अनुमति और मंजूरी दिलाने में मदद की जाएगी। उन्होंने कहा कि इस नयी प्रणाली पर अभी

काम किया जा रहा है। मंत्रालय के पास एक प्रस्ताव भेजा गया है। एक बार अनुमति मिल जाने के बाद हम इसे अगले माह से शुरू कर सकते हैं। श्रम सुधारों पर मोहपात्रा ने कहा कि यह सरकार की प्राथमिकताओं में से एक है। देश के श्रम कानून उद्योग और निवेशकों को आजिज करने वाले नहीं होने चाहिए ।

संक्षिप्त समाचार

अडाणी ग्रीन ने गुजरात में 50 मेगावॉट क्षमता की पवन ऊर्जा परियोजना चालू की

नई दिल्ली। अडाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) ने सोमवार को कहा कि उसने गुजरात के कच्छ में 50 मेगावॉट की पवन ऊर्जा परियोजना चालू की है। कंपनी अपनी अनुषंगी इकाइयों के जरिये कच्छ में 725 मेगावॉट क्षमता की पवन ऊर्जा परियोजनाओं का परिचालन कर रही है। एजीईएल ने बयान में कहा, ''एजीईएल ने 50 मेगावॉट क्षमता की पवन ऊर्जा परियोजना चालू की है। कंपनी ने सोलर एनर्जी कॉरपोरेशन के साथ (सेकी) के साथ 25 साल के बिजली खरीद समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। कंपनी की 2020 की दूसरी छमाही में क्षेत्र में 225 मेगावॉट क्षमता की अन्य परियोजनाएं चालू करने की योजना है। इसके लिये पारेषण क्षमता पहले से तैयार है।

थॉमस कुक का घरेलू सैर-सपाटा कारोबार बढ़ा, विदेशी कंपनी के बंद होने का नहीं पड़ा असर

कोलकाता। पर्यटन क्षेत्र की कंपनी थॉमस कुक इंडिया लिमिटेड (टीसीआईएल) ने कहा है कि उसका घरेलू सैर सपाटा कारोबार सालाना 25 फीसदी की दर से बढ़ रहा है। यह उसके विदेशी यात्रा खंड कारोबार की तुलना में अधिक है टीसीआईएल के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (पर्यटन) रोमिल पंत ने कहा, ''कंपनी को आगे अपनी वृद्धि दर को कायम रखने में किसी तरह की दिक्कत नजर नहीं आ रही है। ब्रिटेन की कंपनी थॉमस कुक पीएलसी के ठप होने का उसके परिचालन पर किसी तरह का असर नहीं पड़ेगा। पंत ने कहा, ''घरेलू पर्यटन सेवा कारोबार कमोबेश नया है, और यह कुछ साल पहले ही शुरू हुआ है। यह सालाना 25 फीसदी की दर से बढ़ रहा है। वहीं हमारा विदेशी पर्यटन कारोबार 10 से 15 फीसदी की दर से बढ़ रहा है। टीसीआईएल के सैरसपाटे के लिए यात्रा पोर्टफोलियो में घरेलू कारोबार का हिस्सा फिलहाल 20 फीसदी है और शेष हिस्सा विदेशी पर्यटन का है। पंत ने कहा, ''हमें उम्मीद है कि अगले दो से तीन साल में हमारे कारोबार में घरेलू पर्यटन का हिस्सा बढ़कर 30 से 35 फीसदी तक पहुंच जाएगा। इसकी वजह से घरेलू पर्यटन में काफी तेजी से बढ़ोतरी हो रही है।

भारतीय विमानन क्षेत्र को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाना चाहिएः स्पाइसजेट

वाशिंगटन। दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते विमानन बाजारों में से एक बनने के बाद सरकार को अब भारतीय विमानन क्षेत्र को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने की दिशा में काम करना चाहिए। स्पाइसजेट के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक अजय सिंह ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि इसके लिए सरकार को अपने कर ढांचे में बदलाव करते हुए कर के बोझ को कम करना चाहिए ताकि भारतीय विमानन क्षेत्र वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बन सके। वर्तमान में भारतीय विमानन बाजार बहुत उच्च कर वाला बाजार है और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में इसके पिछड़ने की यह एक बड़ी वजह है। सिंह ने कहा, ''मेरा विचार है कि विमानन क्षेत्र में कर कम किया जाना चाहिए और इस पूरे क्षेत्र को एक रोजगार सृजक क्षेत्र के रूप में देखा जाना चाहिए। यह (क्षेत्र) देश को खुद से और दुनिया से जोड़ता है। यह महत्वपूर्ण है कि हम विमानन क्षेत्र को लेकर एक समग्र नजरिया अपनाएं। सिंह, वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण के साथ पिछले हफ्ते अमेरिका यात्रा में शामिल व्यापार प्रतिनिधि मंडल के सदस्य रहे। सीतारमण यहां विश्वबैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की वार्षिक बैठक में शामिल होने पहुंची थीं। उन्होंने कहा, ''हम लंबे समय से इसकी मांग कर रहे हैं और अब सरकार को भारतीय विमानन क्षेत्र को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने की दिशा में काम करना चाहिए। हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हमारी लागत दुनिया के हमारे प्रतिस्पर्धियों के बराबर हों। सिंह ने कहा कि भारत दुनिया का अकेला देश है जो विमान ईंधन पर औसतन 35 प्रतिशत कर लेता है जबकि किसी भी अन्य देश में विमान ईंधन पर कर नहीं है। इस वजह से भारतीय विमानन कंपनियों की परिचालन लागत बहुत अधिक है और इसलिए हम दुनिया से प्रतिस्पर्धा नहीं कर पाते। इसके अलावा दूसरा बड़ा मुद्दा रखरखाव और मरम्मत से जुड़ा है। इसके लिए हमें 18 प्रतिशत का जीएसटी कर देना होता है। सिंह ने कहा कि भारत को दुबई, अबूधाबी, दोहा, सिंगापुर और बैंकाक जैसे अपने खुद के अंतरराष्ट्रीय विमानन हब बनाने की जरूरत है ताकि यहां से होने वाले हवाई यातायात को रोका जा सके। ताकि यहां से होने वाले हवाई यातायात को रोका जा सके। एक बड़े देश के तौर पर यह हमारे लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरू और हैदराबाद से लोग सीधे यूरोप, अमेरिका या जापान तक जा सकते हैं। इसलिए हमें नीतिगत निर्णय लेने की जरूरत है।

बासमती धान की होगी इस बार बंपर पैदावार, धान का रकबा पिछले साल से 36 फीसदी बढ़ा

नई दिल्ली। धान का रकबा चालू फसल वर्ष 2019-20 (जुलाई-जून) के दौरान 83 जिलों में पिछले साल के मुकाबले 36 फीसदी बढ़ा है जबकि धान (बासमती छोड़कर अन्य धान की वेरायटीज) के रकबे में 6.5 फीसदी की वृद्धि हुई है। यह जानकारी नेशनल कोलेटेरल मैनेजमेंट सर्विसेस द्वारा करवाए गए एक सर्वेक्षण से मिली है। यह सर्वेक्षण कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण के तहत आने वाले बासमती एक्सपोर्ट डेवलपमेंट फाउंडेशन द्वारा करवाया गया था। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा 27 सितंबर को जारी आंकड़ों के अनुसार, चालू खरीफ सीजन में देश में धान का रकबा 382 लाख हेक्टेयर है जबकि पिछले साल इस अवधि में 387 लाख हेक्टेयर था। मगर, एनसीएमएल द्वारा चयनित 83 जिलों में करवाए गए सर्वेक्षण के अनुसार, चालू खरीफ सीजन में धान का अनुमानित रकबा 62,04,000 हेक्टेयर है जोकि पिछले साल के 58,25,000 हेक्टेयर से 6.5 फीसदी अधिक है। सर्वेक्षण के अनुसार, बासमती धान का रकबा इन 83 जिलों में 36 फीसदी बढ़ा है।

इरडा की बीमा कंपनियों को चेतावनी, इंश्योरेंस से जुड़े विज्ञापन गुमराह करने वाले न हों

नई दिल्ली(एजेंसी)।

ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए बीमा कंपनियां अब भ्रामक विज्ञापन जारी नहीं कर सकेंगी। दरअसल बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (इरडा) ने कंपनियों को निर्देश दिया है कि बीमा उत्पादों के विज्ञापन स्पष्ट और निष्पक्ष होने चाहिए। इससे ग्राहकों के मन में सुरक्षा को लेकर काल्पनिक भावनाएं नहीं पैदा होनी चाहिए। इरडा ने सर्कुलर जारी कर बीमा कंपनियों को बताया है कि सभी बीमा उत्पादों के विज्ञापन स्पष्ट संदेश वाले और निष्पक्ष होने चाहिए, ताकि ग्राहकों को किसी भी प्रकार का भ्रम न रहे। इरडा ने कहा है कि कंपनियों को ग्राहकों तक अपनी बात पहुंचाने के लिए उचित मैटेरियल, डिजाइन, पेपर का आकार, रंग, शब्दों का आकार और फॉन्ट, टोन एवं वॉल्यूम का इस्तेमाल करना होगा। इसके अलावा उत्पाद से जुड़े अनिवार्य खुलासे भी उसी भाषा में होने चाहिए, जिसमें पूरा विज्ञापन है। कंपनियां बीमा उत्पाद के लाभ या नाम को उस संदर्भ में पेश नहीं कर सकती हैं, जिससे ग्राहक के मन में सुरक्षा के काल्पनिक विचार पैदा हों। इसके अलावा बीमा कारोबार की अनुमति देने वाले लाइसेंस प्राप्त संस्थाओं को अपनी पहचान

और संपर्क विवरण का भी उल्लेख करना होगा। इरडा ने कहा है कि अगर कोई कंपनी बीमा उत्पाद का ऑनलाइन विज्ञापन जारी करती है, तो उसे यह सुनिश्चित करना होगा कि ग्राहक को उत्पाद की प्रमुख विशेषताएं, नियम और शर्तें स्पष्ट रूप से दिखाई दें। इसके किसी भी जोखिम या नियम की जानकारी को छुपाया नहीं जा सकता है।

दिवाली के मौके पर कंपनी देगी बंपर प्रोमोशन, 5000 कर्मचारियों को मिलेगा फायदा

बेंगलुरू(एजेंसी)।

दिवाली से ठीक पहले दिग्गज ढ्ढञ्ज कंपनी विप्रो के कर्मचारियों को एक नई सौगात मिल सकती है। दरअसल, विप्रो आने वाली तिमाही में अपने 5,000 कर्मचारियों को प्रोमोट करने का प्लान बना रही है। इस बारे में बिजनेस स्टैंडर्ड ने अपनी एक रिपोर्ट में जानकारी दी है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि कंपनी अपने कर्मचारियों को बनाए रखने के लिए यह कदम उठा रही है। सितंबर माह में खत्म हुई तिमाही में विप्रो में कर्मचारियों के बने रहने की दर 17 फीसदी थी जो कि पिछली तिमाही से करीब 0.60 फीसदी कम है। इस रिपोर्ट में विप्रो के ॥क्र॥ढ्डद्रस्न सौरभ गोविल के हवाले से लिखा गया है कि दूसरी कंपनियों के मुकाबले कर्मचारियों को बनाए रखने की दर के मामले में विप्रो ने बेहतर किया है। कंपनी ने कर्मचारियों को हाइक दे दिया है और आने वाले दिनों में बड़े स्तर पर प्रोमोशन की तैयारी की जा रही है। 5 साल से 8 साल के अनुभव वाले करीब 5 हजार कर्मचारियों को प्रोमोट किया जाएगा। जून में खत्म हुई पहली तिमाही में कंपनी ने अपने फ्रेशर्स को 1 लाख रुपए का रिटेंशन बोनस दिया था। इन्हें कैंपस प्लेसमेंट के जरिए हायर किया गया था और कंपनी में एक साल पूरा कर चुके थे। कैंपस प्लेसमेंट के माध्यम से आए उन कर्मचारियों को भी बोनस दिया गया, जिन्होंने कंपनी में 3 साल से अधिक समय से हैं। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि कंपनी ने इस प्रोमोशन में एल1 कर्मचारियों को एल2 और एल2 कर्मचारियों को एल3 स्तर पर प्रोमोट किया गया है। बता दें कि आईटी कंपनियों में कर्मचारियों को अलग-अलग स्तर पर बांटा जाता है, जिसमें एल1 में आने वाले कर्मचारी सबसे जूनियर स्तर के हैं। कंपनी के हेड एचआर ने कहा है कि हम तैयार रहना चाहते हैं।

यही कारण है कि हम अपने कर्मचारियों को तैयार कर रहे हैं और इसके लिए उन्हें ट्रेनिंग और रि-स्किलिंग के माध्यम से तैयार कर रहे हैं। हमारे इन कदमों का असर अगले दो से तीन तिमाहियों में रेवेन्यू में बढ़ोतरी के रूप में देखने को मिलेगा। आईटी कंपनियां सब कॉन्ट्रैक्टर पर अपनी निर्भरता को कम कर रही हैं। ये कंपनियां अपने प्रमुख लोकेशन पर कर्मचारियों को संख्या में इजाफा कर रही है। कंपनी के अनुसार, अमरीका में 68 फीसदी कर्मचारी लोकल हैं।

11 खातों की ई-नीलामी करेगा भारतीय स्टेट बैंक , 466 करोड़ की वसूली की है योजना

नई दिल्ली। देश का सबसे बड़ा बैंक भारतीय स्टेट बैंक सात नवंबर को 11 कर्ज खातों की ई-नीलामी करेगा। इसके जरिए बैंक 466.49 करोड़ रुपए की वसूली करेगा। बैंक के नोटिस के अनुसार, 11 कर्ज खातों की संपत्ति पुनर्गठन कंपनियों (एआरसी), बैंकों-गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) और वित्तीय संस्थानों को बिक्री के लिए रखा जाएगा। भाटिया ग्लोबल ट्रेडिंग (बीजीटीएल) शामिल है, जिस पर बैंक का 177.02 करोड़ रुपए बकाया है। भाटिया कोक एंड एनर्जी लिमिटेड का 104.15 करोड़ रुपए बकाया है। भाटिया कोल वॉशरीज का 12.58 करोड़ रुपए। एशियन नैचुरल रिसोर्सेज इंडिया लिमिटेड का 2.18 करोड़ रुपए। महाराष्ट्र स्टील्स प्राइवेट लिमिटेड का 40.51 करोड़ रुपए। अंशुल स्टील लिमिटेड का 37.70 करोड़ रुपए विधाता मेटल्स का 36.98 करोड रुपए बकाया है। बैंक ने शुरू की सुविधा इससे पहले एसबीआई ने ग्राहकों के लिए ग्राहक कांटैक्टलेस पेमेंट की सुविधा आरंभ की थी। एसबीआई ने मोबाइल से पेमेंट करने वाली नई सुविधा शुरू की है। इसके तहत बैंक ग्राहक प्वाइंट ऑफ सेल्स (पीओएस) मशीनों पर कार्ड को छुए बिना मोबाइल फोन के जरिये भुगतान कर सकेंगे। इसके लिए पिन की भी जरूरत नहीं होगी। देश में यह अपनी तरह की पहली भुगतान सेवा है। एसबीआई कार्ड पे से नियर फील्ड कम्युनिकेशंन पर टैप करते ही भुगतान हो जाएगा। इसके लिए अपने पास क्रेडिट कार्ड रखने या पिन डालने की जरूरत नहीं होगी। यह सुविधा भी एसबीआई कार्ड एप का हिस्सा है, जिससे ग्राहक अपना क्रे डिट कार्ड अकाउंट भी मैनेज कर सकेंगे।

नौकरीपेशा लोगों के लिए जरूरी खबर, सरकार बदल सकती है पेंशन से जुड़ा नियम

नई दिल्ली(एजेंसी)।

केंद्रीय कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के अंतर्गत आने वाले कर्मचारियों के लिए एक जरूरी खबर है। दरअसल केंद्र सरकार पेंशन निकालने की उम्र की सीमा में बदलाव करने जा रही है। खबरों के मुताबिक अब पेंशन के लिए उम्र की सीमा को बढ़ाकर 60 साल तक किया जा सकता है। मौजूदा समय में पेंशन पाने की उम्र 58 वर्ष है। ईपीएफओ के सेंट्रल बोर्ड ट्रस्ट की नवंबर माह में होने वाली दूसरी बैठक में इस पर विचार हो सकता है। सेंट्रल बोर्ड ट्रस्ट से मंजूरी मिलने के बाद प्रस्ताव को श्रम विचार हो सकता है। सेंट्रल बोर्ड ट्रस्ट से मंजूरी मिलने के बाद प्रस्ताव को श्रम मंत्रालय के जरिए कैबिनेट मंजूरी के लिए भेजा जाएगा। ईपीएफओ के मुताबिक इस फैसले से पेंशन फंड को 30 हजार करोड़ रुपए की राहत मिलेगी। साथ ही नौकरीपेशा लोगों की रिटायरमेंट उम्र भी 2 साल बढ़ सकती है। खबरों के मुताबिक एक्ट 1952 में बदलाव की तैयारी है।

पेंशन नियम में बदलाव की वजह वैश्विक स्तर पर पेंशन उम्र को आधार बताया जा रहा है। खबरों के मुताबिक एक्ट 1952 में बदलाव की तैयारी है। पेंशन नियम में बदलाव की वजह वैश्विक स्तर पर पेंशन उम्र को आधार बताया जा रहा है। बता दें कि दुनिया के ज्यादातर पेंशन फंड में पेंशन की उम्र 65 साल तय की गई है। ऐसे में भारत में भी इसमें बदलाव की तैयारी है।

बता दें कि मौजूदा समय में नौकरीपेशा की सैलरी से कटने वाला पैसा 2 खातों में जमा होता है। पहला और दूसरा पेंशन फंड यानि कर्मचारियों की सैलरी से कटने वाली 12 फीसदी रकम में से 3.67 फीसदी और 8.33 फीसदी कर्मचारी पेंशन योजना ( ) में जमा होती है।

एसओजी ने चोर गिरोह को दबोचा के

आईपेड, लेपटॉप सहित पौने पांच लाख का माल बरामद

सूरत. एसओजी पुलिस ने मुखबिर से मिली सुचना के आधार पर वाहन चोर, घरफोड़ चोर और लूट करनेवाली गैंग के तीन सदस्यों को दबोच लिया और उनके पास से पौने पांच लाख रुपयों का मुद्दामाल बरामद किया है.

मिली जानकारी के अनुसार एसओजी पुलिस ने मुखबिर से मिली गुप्त सुचना के आधार पर पनासगाव एसएमसी आवास के पास से आरोपी सोनू उर्फ़ जेक राजू पाडवी, सोनू उर्फ़ सोनू बिहारी अजय रविशंकर उपाध्याय, रविशंकर उर्फ़ लम्बू उर्फ़ पंकज विक्रमसिंग कुर्मी पटेल को गिरफ्तार कर लिया. पुलिस ने आरोपियों के पास से ४ मोबाइल, ३ आईपेड, ३ बाइक सहित ४,४५ लाख का मुद्दामाल बरामद किया. आरोपियों को पकड़ने के साथ पुलिस ने उमरा, खटोदरा, उधना सहित सात पुलिस थानों में दर्ज वाहन चोरी, घरफोड़ चोरी और लूट की घटनाओ की गुत्थी सुलझा ली है. पुलिस ने बताया की आरोपी देर रात को और तड़के सुबह किसी भी जगह से वाहन चुराकर जिन सोसाइटियों में ग्रीलवाली खिड़की की ग्रिल खुली रहती थी उसे निशाना बनाकर घटना को अंजाम देते थे. पुलिस आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की कार्यवाही शुरू की है.

लूटेरे गिरोह को क्राइम ब्रांच ने पकड़ा

रात को अकेले आने-जानेवाले राहगीरो को बनाते थे शिकार

सूरत. क्राइम ब्रांच पुलिस ने एक लुटेरे गिरोह के ६ सदस्यों को दबोच लिया है. गिरोह में शामिल आरोपी रात के समय अलग अलग विस्तारो में अकेले आने जानेवाले राहगीरो को अपना निशाना बनाते थे और लूट लेते थे.

जानकारी के मुताबिक क्राइम ब्रांच पुलिस ने मुखबिर से मिली गुप्त सुचना के आधार पर आरोपी रजब शेख, असलम फिरोज शाह, शिवम उर्फ़ शम्भु, रवि कनैया राय, रंजीत राजू राजपूत और आमिर उर्फ़ कल्लू को गिरफ्तार कर लिया. पुलिस ने उनके पास से सोने की चेन, ४ मोबाइल और बाइक सहित २,२० लाख का माल बरामद किया है. पूछताछ के दौरान आरोपियों ने कबुल किया था की उन्होंने खटोदरा में २, उधना में १, कतारगाम में १, चौकबाजार में एक सहित अबतक ५ लूट की घटना को अंजाम दे चुके है. आरोपियों ने दीपावली में मौज शौख के लिए रूपये हासिल करने के लिए लूट का रास्ता अपनाया था था. और राहगीरों को चाक़ू बताकर डरा धमकाकर लूट लेते थे. पुलिस ने सभी के खिलाफ आगे की कार्यवाही शुरू की है.

नि:संतान महिला ने एक साल की बच्ची लेकर भागी, पुलिस ने किया गिरफ्तार

अहमदाबाद। शहर के वटवा क्षेत्र में एक महिला को जिस विवाहिता ने अपने घर में एक रात के लिए पनाह दी, उसी की एक साल की बच्ची को उठाकर महिला फरार हो गई। घटना सामने आते ही हरकत में आई पुलिस ने राजस्थान से महिला को गिरफ्तार कर लिया और एक साल की बच्ची उसकी मां को सौंप दी। जानकारी के मुताबिक अहमदाबाद के वटवा क्षेत्र निवासी एक विवाहिता ने स्थानीय पुलिस थाने में शिकायत की थी। जिसमें विवाहिता ने कहा कि गत 14 अक्टूबर को पूजा नामक एक महिला उसे मिली थी, जिसने एक रात के लिए अपने घर में पनाह देने की मांग की थी। पूजा पहले विवाहिता के पड़ौस में रहनेवाली शबनमबानु के यहां रहती थी, जिससे वह उसे जानती थी। इंसानियत के नाते विवाहिता ने पूजा को अपने घर में रात ठहरने की इजाजत दे दी। सुबह जब विवाहिता उठी तो बच्ची समेत पूजा दोनों गायब थे। विवाहिता ने स्थानीय पुलिस थाने में इसकी शिकायत कर दी। पुलिस के लिए पूजा को पकड़ना काफी चुनौतीपूर्ण था, क्योंकि उसके पास पूजा के नाम के अलावा उसके बारे में कोई जानकारी नहीं थी। पुलिस ने अलग अलग तीन टीमें बनाईं और आसपास के सीसीटीवी फूटेज जुटाने के साथ ही विवाहिता के आसपास रहनेवाले करीब 800 जितने लोगों से पूछताछ की। पुलिस ने शबनमबानु से भी पूजा के बारे में जानकारी मांगी। जिसमें पता चला कि पूजा ने राजस्थान के किसी राजु नामक व्यक्ति से शादी की थी।

कपड़ा व्यापारी बना चेन स्नेचर

चेन स्नैचिंग की ५२ घटनाओं को दिया है अंजाम, यूपी से सूरत आता था

सूरत. क्राइम ब्रांच पुलिस ने एक चेन स्नेचर को गिरफ्तार किया था. आरोपी पेशेवर चेन स्नेचर नही था, वह कपड़ा व्यापरी था और धंधा चौपट हो जाने के बाद उसे गुनाहो का रास्ता अपना लिया था. इतना ही नहीं वह घटनाओ को अंजाम देने के लिए यूपी से सूरत आता था.

जानकारी के मुताबिक़ क्राइम ब्रांच की पुलिस ने मुखबिर से मिली सुचना के आधार पर मोती टॉकीज के पास से यूपी के कानपुर में रहनेवाले वसिम शफीक खान को गिरफ्तार किया था. उसके पास से पुलिस ने ३ सोने की चेन, बाइक, १,९७ लाख का माल बरामद किया था. पुलिस ने बताया कि आरोपी ने सूरत में १२, वडोदरा में ५, और कानपूर में ३५ सहित अबतक ५२ चेन स्नेचिंग की घटनाओ को अंजाम दिया है. पुलिस आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की जाँच शुरू की है.

सूरत आवागमन करती घरेलू उड़ानों के किराए में तीन गुना से अधिक की वृद्धि

सूरत। दीपावली के चलते सूरत आवागमन करने वाली घरेलू उड़ानों का किराया तीन गुना से अधिक बढ़ गया है। देश-विदेश में अपनी अनोखी पहचान बना चुके सूरतवासी घूमने-फिरने और खाने-पीने के शौकीन हैं, जो दिवाली त्यौहारों के दौरान सैर सपाटे के लिए हवाई यात्रा का तीन गुना किराया चुका रहे हैं। दिवाली पर्व के चलते सूरत हवाई अड्डे पर यात्रियों की आवाजाही बढ़ी है। सूरत एयरपोर्ट पर आनेवाली एयर इंडिया, स्पाइस जेट और इन्डिगो एयरलाइंस के किराए में भारी भरकम वृद्धि से सूरतवासियों की जेब हलकी हो रही है। इतना ही नहीं आगामी दिनों में डोमेस्टिक फ्लाइट के किराए में और बढ़ाए जाने की संभावना है। फिलहाल उदयपुर, कोलकाता, जेसलमेर, भोपाल और बेंगलुरू का हवाई किराया रु. 12000 को पार कर गया है। जबकि दिल्ली का किराया रु. 15000 के पार पहुंच गया है। डोमेस्टिक के किराए बढ़ने से सूरत के लोग इंटरनेशनल फ्लाइट पसंद कर रहे हैं। सूरत एयरपोर्ट से एक मात्र इंटरनेशनल फ्लाइट शारजाह जाती है, जिसे यात्री ज्यादा तवज्जो दे रहे हैं। सामान्य दिनों में सूरत से दिल्ली का किराया रु. 5330 है जो दिवाली के मौके पर बढ़कर रु. 15147 हो गया है। इसी प्रकार उदयपुर का किराया रु. 3233 से बढ़कर रु. 13394, कोलकाता का रु. 4029 से बढ़कर रु. 13080, जेसलमेर का रु. 3570 से बढ़कर रु. 13071, भोपाल का रु. 2684 से बढ़कर 12870 और बेंगलुरू का किराया रु. 3473 से बढ़कर रु. 12552, गोवा का रु. 3199 से बढ़कर रु. 8700, चेन्नई का रु. 2765 से बढ़कर रु. 7229, जयपुर का रु. 4470 से बढ़कर 6464, हैदराबाद का रु. 2673 से बढ़कर रु. 5204 और मुंबई का किराया रु. 2997 से बढ़कर रु. 3741 हो गया है। जबकि अंतर्राष्ट्रीय फ्लाइट शारजाह का किराया जो सामान्य दिनों में रु. 8899 है उसमें केवल रु. 550 की वृद्धि की गई है।

बाईक पर आये तीन बदमाश

जोहरी से मारपीट कर गहने और नगद सहित २,१७ लाख लुटे

सूरत. शहर में बदमाश लूटेरे बेख़ौफ़ होकर उत्पात मचा रहे और एक के बाद एक घटनाओ को अंजाम दे रहे है, इसी तरह ईच्छापोर में गत शाम बाईक पर आये तीन बदमाशों ने एक जोहरी को रोका और उससे मारपीट कर उसके पास से नगद रूपये तथा सोने चांदी के गहने सहित २,१७ लाख का सामन लूटकर भाग गए थे.

जानकारी के मुताबिक़ अडाजण स्थित सन को-ओपरेटवी सोसाइटी निवासी परेश पारेख जोहरी है. गत शाम वह ईच्छापोर गांव से भाठागांव की तरफ जा रहे थे तभी बाइक पर तीन बदमाश अचानक उनके पास आ धमके. उन्हें रोक लिय और गाली गलौच करने के साथ मारपीट शुरू कर दी इसके बाद उनके पास के एक बैग में से नगद ५७ हजार रूपये, सोने चांदी के गहने, मोबाइल और जरुरी कागजात समेत २,१७ लाख का माल लूटकर भाग गए थे घटना से जोहरी काफी घबरा गया था इसके बाद उसने इच्छापोर पुलिस थाने में शिकायत दर्ज करवाई. पुलिस ने तीन अज्ञात बदमाशों के खिलाफ मामला दर्ज कर उनकी खोजबीन शुरू की है.

अरब सागर में पैदा हुई अपरएयर साइक्लोन सिस्टम

२३ तक ओले और बेमौसम बारिश होने का पूर्वानुमान

दक्षिण गुजरात, सौराष्ट्र में बेमौसम बारिश की संभावना

अहमदाबाद । पोरबंदर में अरब सागर में लो प्रेशर की वजह से पोरबंदर का समुद्र तूफानी बनने और यह नई अपरएयर साइक्लोन सिस्टम की असर के तहत २३ अक्टूबर तक दक्षिण गुजरात और सौराष्ट्र के कई हिस्सों में ओले और बेमौसम बारिश होने का मौसम विभाग द्वारा पूर्वानुमान जताया है।

अरब सागर में पैदा हुई साइक्लोन सिस्टम और लो प्रेशर बनने की वजह से राज्य में विशेष करके दक्षिण गुजरात और सौराष्ट्र के कई हिस्सों में गत दिन मौसम अचानक बदल गया और तेज हवा बहने के साथ अचानक ओले की बारिश शुरू हो गई । विशेष करके सौराष्ट्र, अमरेली, वेरावल, वडेरा, रंगपुर सहित के क्षेत्रों में बारिश दर्ज की गई। इसी प्रकार से दाहोद के गरबाडा सहित के क्षेत्र में छिटपुट बेमौसम बारिश दर्ज की गई । गीर सोमनाथ सहित के कई क्षेत्रों में भी बारिश ने एंट्री की । मौसम विभाग के पूर्वानुमान अनुसार अभी भी २३ अक्टूबर तक बारिश का माहौल रहने की संभावना है । राज्य में फिर एक बार ओले की परिस्थिति को लेकर किसान फसल की नुकसान को लेकर काफी चिंतित हो गये है । मौसम विभाग द्वारा अरब सागर में साइक्लोन सिस्टम और लो प्रेशर बनने पर ओले का पूर्वानुमान जताया है । इस तरह तो गुजरात में से मानसून ने विदाई ले ली है । लेकिन नवरात्रि जैसे दीपावली भी बिगड़े ऐसी संभावना रही है । मौसम विभाग के अनुसार अरब सागर में लो-प्रेशर सिस्टम फिर से सक्रिय होने पर राज्य के कई क्षेत्रों में तेज हवा के साथ बारिश होने की संभावना है। अपरएयर साइक्लोन सकर्युलेशन बनने से इसकी सबसे ज्यादा असर दक्षिण गुजरात में देखने को मिलेगी । डांग, वलसाड, नवसारी, दमण, दादरा नगर हवेली मं आगामी दो दिन ३० से ४० किलोमीटर की तेजी से हवा चलेगी तथा । बिजली की मेघगर्जना के साथ बारिश होने की संभावना है । मौसम विभाग के पूर्वानुमान को लेकर अब सौराष्ट्र और दक्षिण गुजरात के किसान ओले की वजह से फसल को नुकसान होने को लेकर चिंतित हो गये है ।

चुनाव पहले ही बायड से शराब का बड़ा जत्था जब्त

अहमदाबाद । सोमवार को गुजरात की छह विधानसभा सीटों के उपचुनाव होने वाले है, इसमें बायड विधानसभा सीट भी शामिल है लेकिन बायड की विधानसभा सीट के चुनाव पहले ही बायड से शराब का बड़ा जत्था जब्त किए जाने से राजनीति गर्मा गई । कांग्रेस द्वारा गंभीर आरोप लगाया गया कि, बायड के चुनाव में गलत इरादे से भाजपा ने जीतने के उद्देश्य से मतदाताओं में वितरण करने के लिए विदेशी शराब लाया गया है । कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अमित चावडा ने पुलिस की मदद से ही यह शराब उतारा गया और खुद गृह राज्यमंत्री प्रदीपसिंह जाडेजा के इशारे पर भाजपा को जिताने के लिए पुलिस प्रशासन काम में लगे होने का गंभीर आरोप लगाने पर सनसनी मच गई ।

कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने यह शराब गृह राज्यमंत्री जहां ठहरे थे इस होटल के पार्किंग से पकड़ा जाने का आरोप लगाया गया है । कांग्रेस का आरोप है कि यह शराब इसरी पुलिस द्वारा पीकअप वैन में भरकर लाया गया । हालांकि यह शराब किसने मंगाया और किसके आदेश से मंगाया गया यह अभी सामने नहीं आया है । ट्रक के ड्राइवर ने स्थानीय पीएसआई और राइटर के नाम लेने से सनसनी मच गई । दूसरी तरफ, बायड विधानसभा सोमवार को उपचुनाव पहले ही शराब का बड़ा जत्था जब्त किए जाने से राजनीति गर्मा गई । इस दौरान यह मामले में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अमित चावडा ने भी गृह राज्यमंत्री प्रदीपसिंह जाडेजा पर गंभीर आरोप लगाया गया था । चावडा ने आरोप लगाते हुए कहा कि, बायड में गृह राज्यमंत्री की देखरेख में दो कन्टेनर शराब उतारा गया है । हार का संकेत मिल जाने से भाजपा शराब का वितरण करते है ।

विशाला के पास घटना की वजह से अफरातफरी

वाटर लाइन के कामकाज के दौरान गिरने से दो की मौत

अहमदाबाद । सरखेज विशाला सर्कल के पास रविवार को वाटर लाइन डालने का काम चालू था इस दौरान पानी की इस लाइन के कनेक्शन के कामकाज के दौरान चैम्बर में गिरने की वजह से, दो मजदूर रविवार को मौत होने से पूरे क्षेत्र में अफरातफरी मच गई। घटना की जानकारी दिए जाने पर फायर ब्रिगेड के जवानों ने तुरंत घटनास्थल पर पहुंचकर दोनों मजदूरों को वाटर लाइन की चैम्बर से बाहर निकालकर उपचार के लिए अस्पताल में भेजा गया । लेकिन उनको बचाया नहीं जा सका । हालांकि पूरी घटना के बाद डर गये कॉन्ट्रैक्टर फरीद काजी फरार हो गया । मृतक दोनों मजदूर मूल दाहोद के निवासी और सुखराम दलाभाई मोहनीया और सुनील राजू पलाश होने का प्राथमिक जांच में सामने आया । दूसरी तरफ, कॉन्ट्रैक्टर फरार हो जाने की वजह से मजदूरों और स्थानीय लोगों में भारी नाराजगी फैल गई और आरोपी कॉन्ट्रैक्टर के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई करने की मांग की गई । सरखेज विशाला सर्कल के पास अलमुकम फ्लैट के निकट वाटर लाइन और पानी के कनेक्शन का काम चल रहा है इसके लिए दो मजदूर रविवार को किसी तरीके से वाटर लाइन की चैम्बर में गिर गये जिसकी वजह से गंभीर चोटें आयी और दोनों मजदूरों की समय से पहले मौत हो गई । घटना की जानकारी मिलने पर एडिशनल चीफ फायर ऑफिसर राजेश भट्ट सहित का काफिला तुरंत घटनास्थल पर पहुंच गया और दोनों मजदूरों को चैम्बर से बाहर निकालकर तुरंत उपचार के लिए १०८ द्वारा अस्पताल में उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया । लेकिन दोनों मजदूरों की मौत हो गई । दूसरी तरफ, घटना के बाद डर गये कॉन्ट्रैक्टर फरीद काजी फरार हो गया इसी वजह से अब वाटर लाइन के लिए जीवनरक्षक साधनों के बिना मजदूरों को किस तरीके से कामकाज में लगाया गया यह सहित के मुद्दे पर कॉन्ट्रैक्टर की पूछताछ होगी । दूसरी तरफ कॉन्ट्रैक्टर फरार हो जाने की वजह से मजदूरों और स्थानीय लोगों में भारी नाराजगी फैल गई । मृतक के परिजनों द्वारा कॉन्ट्रैक्टर के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई करने की मांग की गई है ।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **RNI.No. : GUJHIN/2018/75100, E-mail: krantisamay@gmail.com (subject to surat jurisdiction)**